२० : विप्लव-गायन

प्रश्नावली

कविता से

प्रश्न 1. 'कण-कण में है व्याप्त वही स्वर......कालकूट फणि की चिंतामणि'

(क) 'वही स्वर', 'वह ध्वनि' एवं 'वही तान' आदि वाक्यांश किसके लिए / किस भाव के लिए प्रयुक्त हुए हैं?

(ख) वही स्वर, वह ध्वनि एवं वही तान से संबंधित भाव का 'रुद्ध-गीत की क्रुद्ध तान है / निकली मेरी अंतरतर से'-पंक्तियों से क्या कोई संबंध बनता है?

प्रश्न 2. नीचे दी गई पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए 'सावधान! मेरी वीणा में....दोनों मेरी ऐंठी हैं।'

कविता से आगे

प्रश्न 1: स्वाधीनता संग्राम के दिनों में अनेक कवियों ने स्वाधीनता को मुखर करनेवाली ओजपूर्ण कविताएँ लिखीं। माखनलाल चतुर्वेदी, मैथिलीशरण गुप्त और_सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की ऐसी कविताओं की चार-चार पंक्तियाँ इकट्ठा कीजिए जिनमें स्वाधीनता के भाव ओज से मुखर हुए हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1. कविता के मूलभाव को ध्यान में रखते हुए बताइए कि इसका शीर्षक 'विप्लव-गायन' क्यों रखा गया होगा?

भाषा की बात

प्रश्न 1. कविता में दो शब्दों के मध्य (-) का प्रयोग किया गया है, जैसे- 'जिससे उथल-पुथल मच जाए 'एवं' कण-कण में है व्याप्त वही स्वर'। इन पंक्तियों को पढ़िए और अनुमान लगाइए कि कवि ऐसा प्रयोग क्यों करते हैं?

प्रश्न 2. कविता में (,-। आदि) विराम चिह्नों का उपयोग रुकने, आगे-बढ़ने अथवा किसी खास भाव को अभिव्यक्त करने के लिए किया जाता है। कविता पढ़ने में इन विराम चिह्नों का प्रभावी प्रयोग करते हुए काव्य पाठ कीजिए। गद्य में आमतौर पर है शब्द का प्रयोग वाक्य के अंत में किया जाता है, जैसे-देशराज जाता है। अब कविता की निम्न पंक्तियों को देखिए-

'कण-कण में है व्याप्त.....वही तान गाती रहती है.'

इन पंक्तियों में है शब्द का प्रयोग अलग-अलग जगहों पर किया गया है।

कविता में अगर आपको ऐसे अन्य प्रयोग मिलें तो उन्हें छाँटकर लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 3. निम्न पंक्तियों को ध्यान से देखिए- 'कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ....एक हिलोर उधर से आए,' इन पंक्तियों के अंत में आए, जाए जैसे तुक मिलानेवाले शब्दों का प्रयोग किया गया है। इसे तुकबंदी या अंत्यानुप्रास कहते हैं। कविता से तुकबंदी के अन्य शब्दों को छाँटकर लिखिए। छाँटे गए शब्दों से अपनी कविता बनाने की कौशिश कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर

<u>कविता से</u>

उत्तर 1- (क) 'वही स्वर', 'वह ध्वनि', एवं 'वही तान' कवि ने आंदोलन, नवनिर्माण के आह्वान के लिए प्रयोग किया है। जनता में जागरूगता लाने के लिए भी प्रयुक्त किया गया है।

(ख) दोनों पंक्तियों में सम्बन्ध है है जो कवि के क्रांति के सोच से बना है। और दोनों पंक्तियाँ ही परिवर्तन के समर्थन में लिखा जाता है।

उत्तर 2- इन पंक्तियो में कवि ने कहा है कि उनके वीणा से कोमल स्वर के जगह कठोर स्वर निकल रहा है और इसके वजह से उनके उंगलियों के मिजराबे टूटकर गिर गयी। असल में कवि ने परिवर्तन के बारे में सावधान करने के लिए प्रयोग किया हैं।

<u>कविता से आगे</u>

उत्तर 1- प्यारे भारत देश
गगन-गगन तेरा यश फहरा
पवन-पवन तेरा बल गहरा
क्षिति-जल-नभ पर डाल हिंडोले
चरण-चरण संचरण सुनहरा।।- माखनलाल चतुर्वेदी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मानस भवन में आर्यजन जिसकी उतारें आरती-
भगवान! भारतवर्ष में गूँजे हमारी भारती।
हो भद्रभावोभ्दाविनी वह भारती हे भवगते!
सीतापते! सीतापते!! गीतामते! गीतामते!! - मैथिलीशरण गुप्त

जैसे हम हैं वैसे ही रहें,
लिए हाथ एक दूसरे का
अतिशय सुख के सागर में बहें।
मुदें पलक, केवल देखें उर में,-
सुनें सब कथा परिमल-सुर में,
जो चाहें, कहें वे- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

<u>अनुमान और कल्पना</u>

उत्तर 1- कवि ने समाज में परिवर्तन लाने के लिए ये कविता लिखि है। समाज को कुसंस्कार, गलत रीती रिवाज मुक्त करके समाज में परिवर्तन लाने के लिए कवि ने कविता के द्वारा लोगों को जागरूक करने की कोशिश। इसीलिए कविता के मुलभाव को ध्यान में रखते हुए कविता का शीर्षक “विप्लव-गायन” ठीक है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भाषा की बात

उत्तर 1- कवि ने दो शब्दों के बीच (–) का प्रयोग करके शब्दों को ज्यादा प्रभावशील बनाने के लिए इस्तेमाल किया है। जैसे की "कण-कण में है व्याप्त वही स्वर" में "कण-कण" ये दोनों शब्दों का प्रभाव बढ़ाने के लिए (-) का उपयोग किया गया है।

उत्तर 2- चिंगारियाँ आन बैठी है।

टूटी है मिज़राब उँगलियाँ।

कण-कण में है व्याप्त वही स्वर।

वही तन गाती रहती है।

उत्तर 3- कविता में तुकबंदी या अंत्यानुप्रास पद है-

(1) बैठी हैं, ऐंठी हैं। (2) रुद्ध होता है, युद्ध होता है। (3) स्वर से, अंतरतर से। (4) ध्वनि, चिंतामणि। (5) समझ आया हूँ, परख आया हूँ। (6) जीवन के, महानाश के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in